>

Title: Need to develop purmandal and Utterbehni Pilgrimage.

श्री जुगल किशोर शर्मा (जम्मू): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सांस्कृतिक मंत्रालय का ध्यान जम्मू शहर से 40 किलोमीटर दूर दो बहुत ही ऐतिहासिक और वर्षों पुराने तीर्थ स्थान पुरमंडर और उत्तर वेणी की ओर ले जाना चाहता हूं, जो कि देविका नदी के किनारे गुप्त गंगा नाम से जानी जाती है, बसे हुए हैं और बहुत ही महत्ता वाले स्थान हैं । उनके विकास के लिए वहां फंड्स की जरूरत है । मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूं कि इसे दूसरी काशी भी कहते हैं । पिछले दिनों संस्कृति मंत्रालय के मंत्री वहां गए थे । उन्होंने अपनी आंखों से देखा कि जो काशी विश्वनाथ जी का मंदिर है, वहां अभिषेक भी किया और लोगों से कहा कि इसका विकास होना चाहिए । उसके बाद डीपीआर बनी और केंद्र सरकार के पास भेजी गई है । मेरी आपके माध्यम से संस्कृति मंत्रालय से प्रार्थना है कि डीपीआर को जल्द सैंक्शन किया जाए और पैसा रिलीज किया जाए, ताकि जो देश की दूसरी काशी जानी जाती है, यहां विकास हो सके और लोग तीर्थ स्थान का आनंद ले सकें और दर्शन कर सकें ।